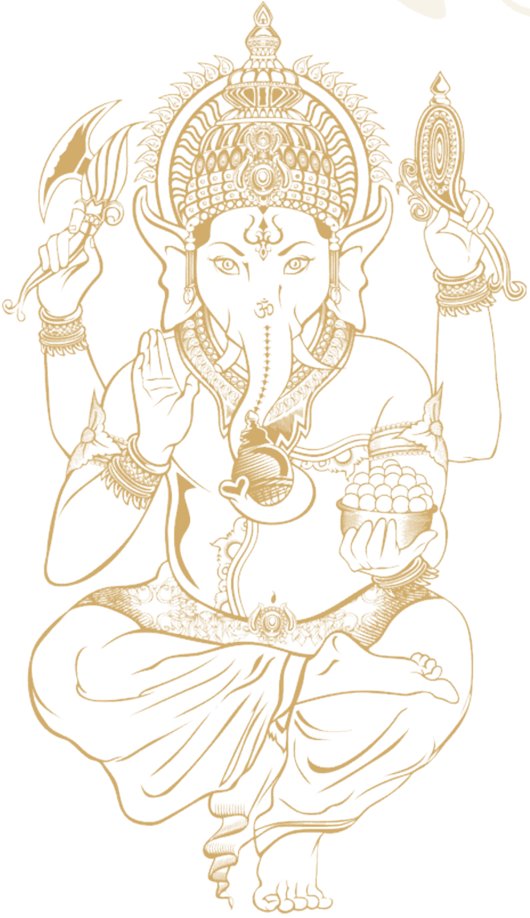

Mr.

22 Mar 2023

10:35 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121607608

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/03/2023**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**22:35:00 घंटे**
इष्ट	39:47:15 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:57:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:59 घंटे
साम्पातिक काल	09:57:19 घंटे
सूर्योदय	06:40:06 घंटे
सूर्यास्त	18:49:16 घंटे
दिनमान	12:09:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:37:47 मीन
लग्न के अंश	28:07:31 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-दौलत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	28:07:31	310:56:36	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	07:37:47	00:59:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	20:51:39	14:13:29	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	04:29:18	00:28:34	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	12:53:28	02:00:56	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	नीच राशि
गुरु			मीन	22:43:12	00:14:16	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मेष	12:45:36	01:11:55	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि			कुंभ	07:33:09	00:06:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	10:05:58	00:02:08	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	10:05:58	00:02:08	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	22:10:51	00:02:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप			मीन	01:11:32	00:02:16	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	05:48:24	00:01:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			सिंह	02:56:19	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:43

लग्न-चलित

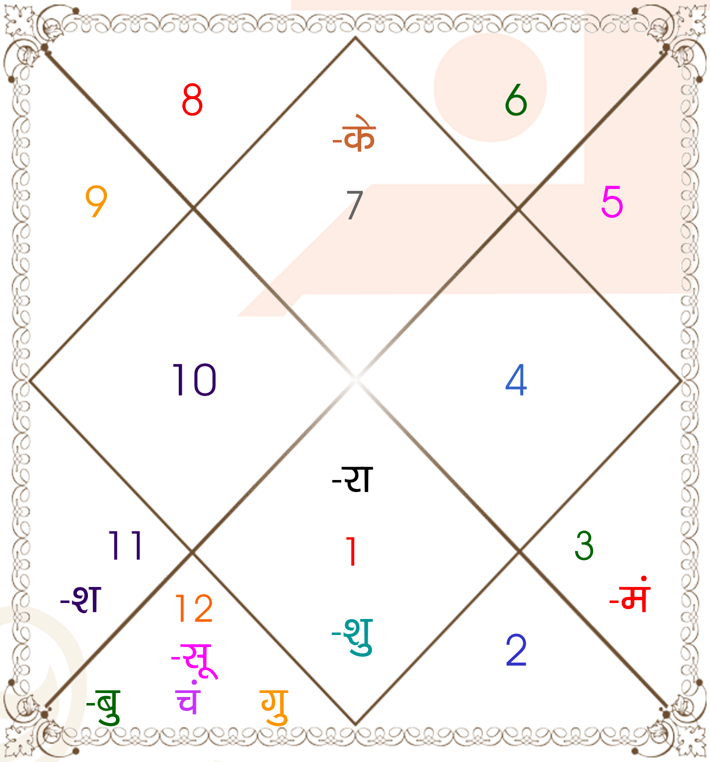

चन्द्र कुंडली

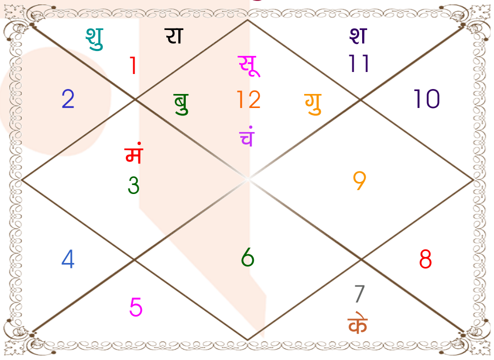

नवमांश कुंडली

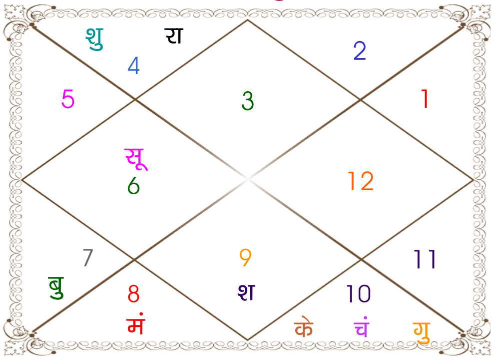

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 7 मास 25 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/03/2023		15/11/2034		15/11/2041		15/11/2061		16/11/2067	
15/11/2034		15/11/2041		15/11/2061		16/11/2067		15/11/2077	
	00/00/0000	केतु	14/04/2035	शुक्र	17/03/2045	सूर्य	05/03/2062	चंद्र	15/09/2068
	22/03/2023	शुक्र	13/06/2036	सूर्य	17/03/2046	चंद्र	03/09/2062	मंगल	16/04/2069
शुक्र	09/02/2024	सूर्य	19/10/2036	चंद्र	16/11/2047	मंगल	09/01/2063	राहु	16/10/2070
सूर्य	15/12/2024	चंद्र	20/05/2037	मंगल	15/01/2049	राहु	04/12/2063	गुरु	15/02/2072
चंद्र	17/05/2026	मंगल	16/10/2037	राहु	16/01/2052	गुरु	21/09/2064	शनि	15/09/2073
मंगल	14/05/2027	राहु	03/11/2038	गुरु	16/09/2054	शनि	03/09/2065	बुध	15/02/2075
राहु	30/11/2029	गुरु	10/10/2039	शनि	15/11/2057	बुध	11/07/2066	केतु	16/09/2075
गुरु	07/03/2032	शनि	18/11/2040	बुध	15/09/2060	केतु	15/11/2066	शुक्र	17/05/2077
शनि	15/11/2034	बुध	15/11/2041	केतु	15/11/2061	शुक्र	16/11/2067	सूर्य	15/11/2077

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/11/2077		15/11/2084		16/11/2102		16/11/2118		16/11/2137	
15/11/2084		16/11/2102		16/11/2118		16/11/2137		00/00/0000	
मंगल	13/04/2078	राहु	29/07/2087	गुरु	04/01/2105	शनि	19/11/2121	बुध	14/04/2140
राहु	02/05/2079	गुरु	22/12/2089	शनि	18/07/2107	बुध	29/07/2124	केतु	11/04/2141
गुरु	07/04/2080	शनि	28/10/2092	बुध	23/10/2109	केतु	07/09/2125	शुक्र	23/03/2143
शनि	17/05/2081	बुध	17/05/2095	केतु	29/09/2110	शुक्र	07/11/2128		00/00/0000
बुध	14/05/2082	केतु	04/06/2096	शुक्र	30/05/2113	सूर्य	20/10/2129		00/00/0000
केतु	10/10/2082	शुक्र	04/06/2099	सूर्य	18/03/2114	चंद्र	21/05/2131		00/00/0000
शुक्र	10/12/2083	सूर्य	29/04/2100	चंद्र	18/07/2115	मंगल	29/06/2132		00/00/0000
सूर्य	16/04/2084	चंद्र	29/10/2101	मंगल	23/06/2116	राहु	06/05/2135		00/00/0000
चंद्र	15/11/2084	मंगल	16/11/2102	राहु	16/11/2118	गुरु	16/11/2137		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 8 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।